**(DHIND 01)**

M.A. DEGREE EXAMINATION, NOVEMBER 2021.

First Year

Hindi

HISTORY OF HINDI LITERATURE

हिन्दी साहित्य का इतिहास

Time : Three hours Maximum : 70 marks

किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. हिन्दी साहित्येतिहास–लेखन में नामकरण और कालविभाजन के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

2. आदिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

3. निर्गुण भक्त कवि के रूप में कबीरदास का परिचय दीजिए।

4. हिन्दी के कृष्ण भक्त कवियों में सूरदास के स्थान को निर्धारित कीजिए।

5. तुलसीदास की प्रमुख रचनाओं का परिचय दीजिए।

6. बिहारीलाल की काव्य–कृतियों का परिचय दीजिए।

7. छायावादी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

8. हिन्दी उपन्यास साहित्य को प्रेमचन्द की देन को स्पष्ट कीजिए।

9. हिन्दी नाटक साहित्य के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

10. किन्हीं दो कवियों का परिचय दीजिए।

    (a) रहीम।

    (b) घनानंद।

    (c) सुमित्रानंदन पंत।

    (d) दिनकर।

———————

**(DHIND 02)**

M.A. DEGREE EXAMINATION, NOVEMBER 2021.

First Year

Hindi

THEORY OF INDIAN AND WESTERN LITERATURE

Time : Three hours Maximum : 70 marks

किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. 'रस' का अर्थ बतलाते हुए भरत मुनि के रस-सूत्र का परिचय दीजिए।

2. 'ध्वनी' क्या है? ध्वनी-संप्रदाय के इतिहास को स्पष्ट कीजिए।

3. औचित्य-संप्रदाय की मान्यताओं की विशिष्टता को स्पष्ट कीजिए।

4. वक्रोक्ति की अवधारणा का स्पष्ट करते हुए उसके भेदों को स्पष्ट कीजिए।

5. प्लेटो के काव्य सिद्धांतों का परिचय दीजिए।

6. अरस्तु के अनुकरण सिद्धान्त का विवेचन कीजिए।

7. टि. एस. इलियट के निर्वेयक्तिकतावाद का विवेचन कीजिए।

8. मार्क्सवादी साहित्य चिन्तन की मूलभूत विशेषताओं को समझाइए।

9. रिचर्ड्स के मूल्य-सिद्धान्त का निरूपण करते हुए साहित्यालोचना में उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

10. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए।

    (a) मुक्तक काव्य।

    (b) एकांकी।

    (c) निबंध।

    (d) जीवनी।

———————

**(DHIND 03)**

M.A. DEGREE EXAMINATION, NOVEMBER 2021.

First Year

Hindi

OLD AND MEDIEVAL POETRY

प्राचीन एवं मध्य युगीन काव्य

Time : Three hours Maximum : 70 marks

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

$(4 \times 3\frac{1}{2} = 14)$

1. (a) देख–देख राधा का रूप अपार।

अपुरब के बिह आन मिल ओल खितियल लावनिसार।।

अंगहि अंग अनंग मुरछायत हेरए पडए अथीर।

मनमथ कोटि मथन करु जे जन से हेरि महि मधि गीर।।

कत–कत लखिमी चरन तल ने ओछए, रँगिरि हेरि बिभोरि।

कक अभिलाख मनहि पदपंकज अहोनिसि कोर अगोरि।।

(b) कबीर सतगुरु ना मिल्या रही अधूरी सीख।

स्वांग जती का पहरि घरि घरि माँगे भीख।

(c) मनहुँ कला ससिभान, कला सोलह सो बिन्निय।

बाल बेस ससि ता समीप, अम्रित रस पिन्नय।।

बिगसि कमल भ्रिग भ्रमर, बैन, खंजन मृग लृद्विय।

हरि कीर अरु बिंब, मोति नष सिष अहिघद्विय।।

छप्पति गंयद हरि हंस गति, बिह बनाय संचे सचिय।

पदमिनिय रूप पदमावतिय, मनहुँ काम कामिनि रचिय।।

(d) मनहुँ काम कामिनी रचिय, रचित रूप की रास।

पसु पंछी सब मोहिनी, सुर, नर, मनियर पास।।

(e) कहियो नंद कठोर भए।

हम दोउ बीरें डारि पर धरैं मानो याती सँपि गए।।

तनक–तनक तैं पालि बडे किए बदुतै सुख दिखराए।

गौचरन को चलत हमारे पाछे कोसक धाए।।

ये बसुदेव देबकी हमसों कहत आपने जाए।

बहुरि विधाता जसुमतिजू के हमहिं न गोद खिला।।

कौन काज यह राज, नगर को सन सुख सौं सुख पाए।

सूरदास व्रज समाधान करु आज कल्हि हम आए।।

(f) जो प्रबंध बुध नाहिं आदरहीं। सो श्रम बादि बाल कवि करहीं।।

कीरति भनिति भूति भलि सोई। सुरसरि सम सब कहैं हित होई।।

राम सुकीरति भनिति संदेसा। असमंजस अस मोहि अँदेसा।।

तुम्हरी कृपाँ सुलभ सोउ मोरे। सिअनि सहावनि टाट पटोरे।।

(g) मेरी भव-बाधा हरौ राधा नगरि सोई।

जा तन की झाँई परत, स्याभु हरति दुति होइ।।

(h) कैसे धरौं धीर वीर। अति ही असाधि पीर।

जतन ही रोग यहि नींके करि दोह की।

देखे अत देखे तहाँ अटकयो आनन्द धन,

ऐसी गति कहौ कहा चुम्बक औलोह की।।

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। $(4 \times 14 = 56)$

2. 'पद्मावती समय' की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
3. 'पृथ्वीराज रासो' की प्रामाणिकता पर विचार कीजिए।
4. समाज सुधारक के रूप में 'कबीरदास' का परिचय दीजिए।
5. 'सूरदास' की भक्ति भावना को सोदाहरण समझाइए।
6. लोकनायक के रूप में 'तुलसीदास' के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
7. 'श्रृंगार रस के वर्णन में बिहारी अद्वितीय कवि हैं'- निरूपण कीजिए।
8. जायसी कृत 'पद्मावत्' में अभिव्यक्त प्रेम-भावना का परिचय दीजिए।
9. घनानंद के काव्य के कला पक्ष पर प्रकाश डालिए।
10. 'रामचरितमानस' के बालकाण्ड की विशेषताओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

**(DHIND 04)**

M.A. DEGREE EXAMINATION, NOVEMBER 2021.

First Year

Hindi

HINDI PROSE – DRAMA, NOVEL, STORIES AND ESSAY

Time : Three hours Maximum : 70 marks

हिन्दी गद्य : नाटक, उपन्यास, कहानी और निबंध

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है

$(4 \times 3½ = 14)$

शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

$(4 \times 14 = 56)$

1. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

(a) "मातृ-प्रेम में कठोरता होती थी, लेकिन मृदुलता से मिले हुई। इस प्रेम में करुणा थी, पर वह कठोरता न थी, जो आत्मीयता का गुप्त संदेश देती है। स्वस्थ अंग की परवाह कोन करता है? लेकिन वह अंग जब किसी वेदना से टपकने लगता है, तो उसे ठेस और धक्के से बचाने का यत्न किया जाता है"।

(b) वह अपना रूप और यौवन उन्हें न दिखाना चाहती थी, क्योंकि वे देखनेवाली आँखें न थीं। वह उन्हें इन रसों का आस्वादन करने के योग्य ही न समझती थी।

(c) राज्य किसी का नहीं है। सुशासन का है। जन्म भूमि के भक्तों में आज जागरण है। देखते नहीं, प्राच्य में सूर्योदय हुआ है।

(d) दया किसी से ना मागूँगा और अधिकार तथा अवसर मिलने पर किसी पर न करूँगा।

(e) नाना विषयों के बोध का विधान होने पर ही उन से संबंध रखनेवाली इच्छा की अनेकरूपता के अनुसार अनुभूति के वे भिन्न-भिन्न योग संघटित होते हैं जो भाव या मनोविकार कहलाते हैं।

(f) श्रद्धा न्याय - बुद्धि के पलडे पर तुली हुई एक वस्तु है, जो दूसरे पलडे पर रखे हुए श्रद्धेय के गुण, कर्म आदि के हिसाब से होती है।

(g) मेरी युद्ध-भूमि में केवल भैरवी का नृत्य हो सकता है, चारुमित्रा का नहीं।

(h) "कौन बडी रकम धमा देते हो? दो रूपल्ली किराया और वह भी छः-छः महीने का बकाया । जानते हो लकडी का क्या भाव है? न हो मकान छोड जाओ।"

2. उपन्यास–कला की दृष्टि से 'निर्मला' की समीक्षा कीजिए।

3. 'निर्मला' उपन्यास में प्रतिपादित नारी–समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

4. 'चन्द्रगुप्त' नाटक की ऐतिहासिकता का विवेचन कीजिए।

5. 'चन्द्रगुप्त' नाटक का नायक कौन है? तर्कपूर्ण उत्तर कीजिए।

6. रामचन्द्रशुक्ल की निबंध–कला पर प्रकाश डालिए।

7. पाठित कहानियों में से किसी एक की समीक्षा कहानी–कला की दृष्टि से कीजिए।

8. 'चारुमित्रा' एकांकी की समीक्षा एकांकी–कला की दृष्टि से कीजिए।

9. रेखा चित्र की विशेषताओं के आधार पर 'सोना' रेखाचित्र की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

10. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

    (a) श्रद्धा एवं भक्ति।

    (b) रिपोर्ताज की विशेषताएँ।

    (c) तोताराम का चरित्र।

    (d) 'उत्साह'।

---

**(DHIND 05)**

M.A. DEGREE EXAMINATION, NOVEMBER 2021.

First Year

Hindi

MODERN POETRY

आधुनिक कविता

Time : Three hours Maximum : 70 marks

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नांकित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

$(4 \times 3½ = 14)$

(a) दिवस का अवसान समीप था।
गगन या कुछ लोहित हो चला।

तरु शिखा पर थी अब राजती।

कमलिनी–कुल–वल्लभ की प्रभा।

(b) डरो मत, अरे अमृत संतान।

अग्रसर है मंगलमय वृद्धि,

पूर्ण आकर्षण जीवन केन्द्र

खिंची आवेगी सकल समृद्धि।

(c) 'ये अश्रु राम के आते ही मन में विचार,

उद्वेग हो उठा शक्ति खेल सागर अपार,

हो श्वसित पवन उनचास पिता–पक्ष तुमुल

एकत्र वक्ष पर बहा वाष्प को उडा अतुल,

शत घूर्णावर्त, तरंग भंग, उठते पहाड,

जल–राशि राशि–जल पर चढ़ता खाता पछाड।'

(d) सैकत–शाय्या पर दुग्ध–धवल,

तत्वंगी गंगा, ग्रीष्म, विरल,

लेटी है श्वान्त, क्लान्त, निश्चल।

तापस–वाला गंगा निर्मल, शशि मुख से दीपित मृद–करताल,

लहरे उर पर कोमल कुन्तल।

(e) सारे शीतल कोमल नूतन,

माँग रहे तुझसे ज्वाला-कण

विश्व-शलभ सिर धुन कहता 'मैं

हाय न जल पाया तुझ में मिल।'

सिहर-सिहर मेरे दीपक जल।

(f) तेरी आस लगा बैठे हैं पा-पाकर खोनेवाले।

लेना अनल-किरीट भाल पर ओ आशिक्र होनेवाले।

(g) किंतु हम हैं द्वीप हम धारा नहीं है।

स्थिर समर्पण है हमारा। हम सदा से द्वीप है स्त्रोतस्विनी के।

किन्तु हम बहते नहीं है। क्योंकि बहना रेत होता है।

हम बहेंगे तो रहेंगे ही नहीं।

(h) अट्ठरह दिनों के इस भीषण संग्राम में

कोई नहीं, केवल मैं ही मरा हूँ करोडों बार

अश्वत्यामा के अंगों से

रक्त, पीप, स्वेद बन कर रहूँगा

मैं ही युग-युगान्तर तक

जीवन हूँ मैं

तो मृत्यु भी तो मैं ही हूँ माँ!

शाप यह तुम्हारा स्वीकार है।

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। $(4 \times 14 = 56)$

2. 'प्रिया प्रवास' में राधा का चरित्र-चित्रण कीजिए।
3. कामायनी के 'श्रद्धा' सर्ग की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।
4. लंबी कविता के रूप में 'कुकुरमुत्ता' की समीक्षा कीजिए।
5. 'नौका विहार' कविता के भाव पक्ष की समीक्षा कीजिए।
6. महादेवी वर्मा की कविताओं में चित्रित वेदना के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

7. 'हाहाकार' कविता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

8. 'नदी के द्वीप' कविता की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

9. 'अंधायुग' में प्रतिपादित युद्ध और शांति की समस्या की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।

10. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए।

    (a) 'ताज' कविता की विशेषताएँ।

    (b) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' का प्रतिपाद्य।

    (c) 'अनल किरीट' की मूल संवेदना।

    (d) 'असाध्यवीणा' का प्रतिपाद्य।

---